शोध मंथन, Impact Factor 6.726 (SJIF), UGC No. 40908 ISSN: (P): 0976-5255 (e): 2454-339X
Vol. X, No.III, pp (969-973) July - Sep. 2019

''महिला पुलिस – जनपद मेरठ का समाजशास्त्रीय अध्ययन''

डॉ0 संगीता गुप्ता
विभागाध्यक्ष समाजशास्त्र विभाग,
मेरठ कॉलिज, मेरठ

कुमकुम सागर
शोध छात्रा,समाजशास्त्र विभाग,
मेरठ कॉलिज, मेरठ
Email: sagarkuki026@gmail.com

सारांश

प्रस्तुत अध्ययन मेरठ जनपद की महिला पुलिसकर्मी के अध्ययन पर केन्द्रित है प्रस्तुत अध्ययन में महिला पुलिसकर्मी की सेवाओं, उनके मानसिक सन्तुष्टि स्तर, कार्यों के प्रभाव उनके दैनिक जीवन पर जिस प्रकार पड़ते है उनका अध्ययन किया गया है अध्ययन में अनुसूची के द्वारा प्राथमिक आंकड़ो का संकलन 50 उत्तरदाताओं का चयन उद्देश्यात्मक निदर्शन के द्वारा किया गया है द्वितीयक तथ्यों का संकलन पुस्तकों, लेख, शोध पत्रिकाओं से किया गया है, उत्तरदाताओं की आयु, धर्म, जाति, वैवाहिक स्थिति एवं पारिवारिक स्थिति का अध्ययन कर कार्य क्षेत्र में आने वाली कठिनाईयों का अध्ययन किया गया है। अधिकांश उत्तरदाताओं ने यह स्वीकार किया है सेवा में आने के कुछ दिनों के बाद अरूचि एवं तनाव का सामना करना पड़ता है एवं परिवार के अन्य कार्य इसमें कर्तव्यों के बीच सामजस्य में तालमेल बैठाने में कठिनाई होती है।

प्रस्तावना

प्रस्तुत अध्ययन मेरठ जनपद में कार्य करने वाली महिला पुलिसकर्मी की स्थिति का विश्लेषणात्मक अध्ययन है उद्देश्यात्मक निदर्शन के माध्यम से उत्तरदाताओं का चयन कर कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित अनुभवों का प्राप्त किया है। महिला पुलिसकर्मी को अपने कार्य क्षेत्र में आने वाली समस्याओं एवं उनके समाधान पर प्रकाश डाला गया है। मेरठ जनपद में 50 महिला उत्तरदाताओं का चयन करे उनके अध्ययन क्षेत्र में आने वाली कठिनाईयों पर प्रकाश डालने का प्रयत्न किया गया है।

उद्देश्य

- महिला पुलिस उत्तरदाता से सामान्य जानकारी प्राप्त करना।
- कार्यक्षेत्र से सम्बन्धित पक्षों की जानकारी प्राप्त करना।
- महिला पुलिस कार्य क्षेत्र में किन समस्याओं का सामना करती है। उनका पता लगाना।
- कारणों को ज्ञात कर उन्हें दूर करने के उपायो का पता लगाना।

अध्ययन पद्धति

जनपद मेरठ से 50 महिला पुलिस उत्तरदाताओं का चयन उद्देश्यात्मक निर्दशन से

किया गया है। मेरठ में क्षेत्र निरीक्षक, उपनिरीक्षक, प्रमुख आरक्षी, आरक्षी सहायक पुलिस उपनिरीक्षक पदों पर महिला पुलिसकर्मी तैनात है। महिला पुलिस कर्मियों के लिए पूर्व में रही मंजिल सैनी एक आदर्श की तरह पायी गयी तथा ग्रामीण इलाके की लड़कियों के लिए इस क्षेत्र में प्रेरणास्रोत की तरह कार्य कर रही है।

सामान्य अवलोकन एवं आंकड़ो से पता चलता है कि कुछ समय पहले तक महिलाओं के लिए कुछ क्षेत्र खुले नही थे लेकिन आज महिलाएँ उन क्षेत्रों में प्रवेश कर रही है उनमें से एक पुलिस का क्षेत्र है। आज महिला पुलिस की बढ़ती हुई भागीदारी हमारी अपराध दर को रोकने एवं सामाजिक नियन्त्रण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दे रही है लेकिन अध्ययन से हमे पता चलता है कि महिलाएँ इस क्षेत्र में आने के बाद कुछ समय बाद मानसिक तनाव, कार्यस्थल पर उत्पीड़न एवं पारिवारिक दायित्वों में तालमेल रखने में अपने आप को असमर्थ पाती है। कार्य क्षेत्र मे पुरूषों की अपेक्षा अपने को कमतर महसूस करती है। प्रस्तुंत अध्ययन से कुछ निष्कर्ष निकाले गये है। अध्ययन के चयनित महिला पुलिसकर्मी विभिन्न आयुवर्गो से सम्बन्धित हो जिनमें 20–30 आयुवर्ग 44 प्रतिशत, 30 से 40 आयु वर्ग की 28 प्रतिशत, 40–50 आयु वर्ग की 18 प्रतिशत तथा 50 के पास 10 प्रतिशत का चयन किया गया है।

चयनित महिला पुलिसकर्मीयों से सबसे अधिक 56 प्रतिशत अविवाहित है। विवाहित महिला पुलिसकर्मी 28 प्रतिशत तथा अन्य में 16 प्रतिशत चयनित की गयी। अध्ययन के दौरान अवलोकन से पता चलता है कि अविवाहित महिला पुलिसकर्मी भी अपने प्रजननमूलक परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के प्रभाव से तनावग्रस्त पायी गयी है।

तालिका संख्या–1

महिला पुलिसकर्मीयों का आयु के आधार पर वर्गीकरण

क्र0सं0	आयुवार विवरण	उत्तरदाताओं की संख्या का विवरण	प्रतिशत
1	**20-30**	**22**	**44**
2	**30-40**	**14**	**28**
3	**40-50**	**09**	**18**
4	**50 above**	**05**	**10**
कुल संख्या	**50**	**100**	

अध्ययन के चयनित महिला पुलिसकर्मी विभिन्न आयुवर्गो से सम्बन्धित हो जिनमें 20–30 आयुवर्ग 44 प्रतिशत, 30 से 40 आयु वर्ग की 28 प्रतिशत, 40–50 आयु वर्ग की 18 प्रतिशत तथा 50 के पास 10 प्रतिशत का चयन किया गया है।

तालिका संख्या–2

महिला पुलिसकर्मीयों का वैवाहिक स्थिति के आधार पर वर्गीकरण

क्र0सं0	वैवाहिक स्थिति	म0पु0 संख्या	प्रतिशत
1	अविवाहित	28	56
2	विवाहित	14	28
3	अन्य	08	16
कुल संख्या	50	100	

चयनित महिला पुलिसकर्मीयों से सबसे अधिक 56 प्रतिषत अविवाहित है। विवाहित महिला पुलिसकर्मी 28 प्रतिषत तथा अन्य में 16 प्रतिषत चयनित की गयी। अध्यन के दौरान अवलोकन से पता चलता है कि अविवाहित महिला पुलिसकर्मी भी अपने प्रजननमूलक परिवार की जिम्मेदारियों का निर्वहन करने के प्रभाव से तनावग्रस्त पायी गयी है।

तालिका संख्या–3

महिला पुलिसकर्मी की संन्तुष्टि का स्तर

क्र0सं0	स्थिति	म0पु0 संख्या	प्रतिशत
1	संन्तुष्ट	08	16
2	असन्तुष्ट	26	52
3	कह नही सकते	16	52
सम्पूर्ण योग/कुल	50	100	

महिला पुलिसकर्मी में मात्र 16 प्रतिशत महिला पुलिसकर्मी अपने कार्यक्षेत्र से सन्तुष्ट पायी गयी 52 प्रतिशत महिला पुलिसकर्मी अपने स्टाफ, सुविधाएं व अपनी निजी प्रगति को लेकर तनावग्रस्त महसूस करती है। जबकि 32 प्रतिशत महिला पुलिस कर्मी अपनी स्थिति स्पष्ट करने में असहज महसूस करती पायी गयी है।

तालिका संख्या–4

महिला पुलिसकर्मी का सभी पुरूश पुलिसकर्मी के व्यवहार सम्बन्धी विचार का विवरण

क्र0स0	स्थिति	महिला उत्तरदाताओं की संख्या	प्रतिशत
1	बहुत अच्छा	12	24
2	ठीक ठीक	20	40
3	भेदभाव पूर्ण	10	20
4	असुरक्षित	08	16
कुलयोग	50	100	

महिला पुलिसकर्मीयों के कार्यक्षेत्र का अध्यन करने का पता चलता है कि 24 प्रतिशत अपने स्टाफ से बहुत खुश पायी गयी है। 40 प्रतिशत महिला पुलिसकर्मी अपनी स्थिति से ज्यादा खुश नही पायी गयी 20 प्रतिशत महिला पुलिसकर्मी भेदभावपूर्ण व्यवहार महसूस करती है तथा 10 प्रतिशत महिलाएँ अपने आपको असुरक्षित महसूस करती है।

सुझाव

- महिला एवं पुरूषकर्मीयों के साथ एक समान व्यवहार कार्यस्थल पर होना चाहिए।
- महिला पुलिसकर्मीयों के लिए उचित विश्रामग्रह एवं स्वच्छ शौचालय की उचित व्यवस्था कार्यक्षेत्र में होनी चाहिए।
- महिला पुलिसकर्मी मासिक चक्र के दौरान कुछ विशेष छूट अवकाश सम्बन्धी प्रदान की जानी चाहिए।
- महिला पुलिसकर्मीयों से कार्यक्षेत्र में कठिन कार्य न कराया जाये जिसमें महिलाओं को उम्र बढ़ने के साथ–साथ शारीरिक क्षीणता आने से कार्य क्षेत्र में परेशानी का सामना करती है।
- महिला पुलिसकर्मी ने यह आवश्यकता महसूस की जो पारिवारिक सदस्य विभाग में कार्यरत है उन्हें उनके क्षेत्र में नियुक्ति दी जाये ताकि कार्यक्षेत्र में पारिवारिक लोगों के मानसिक समर्थन मिलता रहे।
- कुछ महिलाएँ जो उच्च पदों पर जाना चाहती है उन्होंने यह महसूस किया कि समय–समय पर विभाग से परीक्षाओं का आयोजन कराया जाये जिससे पदोन्नति में सहायता मिलती रहे।
- आज संचार क्रान्ति के युग में कुछ महिला पुलिसकर्मी की मांग की भी प्रौद्योगिकी ज्ञान से जुड़े कार्यक्रम समय–समय पर विभाग द्वारा कराये जाये।

निष्कर्ष

परम्परागत सोच से उपर उठकर आज महिलायें पुलिस के क्षेत्र में आकर इसको परिवार एवं कार्यक्षेत्र में सामजस्य बैठाने की तरफ प्रेरित है।

- अध्ययन में हमने पाया चयनित पुलिस महिलाकर्मी ज्यादातर 64 प्रतिशत विवाहित तथा 36 प्रतिशत अविवाहित है दोनों स्थिति में तुलना करने पर पता चलता है कि विवाहित महिला पुलिसकर्मी अधिक दायित्व परिवार के प्रति मानती है जिसके समय–समय पर पूरा न कर पाने के कारण तनाव की स्थिति का सामना करना पड़ता है।
- अध्ययन में अधिकांश उत्तरदाता स्नातक स्तर से सम्बन्धित पायी गयी है।
- अधिकांश महिला पुलिसकर्मी ग्रामीण पृष्टभूमि से पायी गयी है जो यह प्रदर्शित करता है कि महिलाएँ रूढ़िवादी सोच को बदलकर आप अपने विकास के लिए सोचने लगी है।

- अध्ययन में पता चलता है कि घरेलू महिलाओं की तुलना में कार्यरत महिलायें अपने अधिकारो के प्रति अधिक जागरूक पायी गयी पुलिस के क्षेत्र में आने से आत्मनिर्भता तथा निर्णय लेने में समक्ष महिला पुलिसकर्मी में देखने को पायी गयी।
- अध्ययन में यह भी देखा गया कि अधिकांश अविवाहित महिला उत्तरदाताओं ने अपने परिवारों के आय के स्त्रोतो में योगदान देने के कारण पारिवारिक स्थिति में सुधार एवं निर्णयों को प्रभावित करने की क्षमता में बढ़ोतरी देखने को मिलती है।
- अध्ययन यह पता चलता है महिला पुलिसकर्मीयों ने माना कि कार्यक्षेत्र में व्यस्ता एवं अधिक दबाव होने के कारण परिवार को उचित समय नहीं दे पाते है।
- कार्यस्थल पर महिला पुलिसकर्मी को कुछ स्वास्थ्य सम्बन्धी समस्याओं का सामना करना पड़ता है जिसके लिए सरकारी स्तर पर दूर करने के उपाय करने चाहिए ताकि महिला पुलिसकर्मी कार्य क्षेत्र में आरामदायक स्थिति महसूस कर सके और कार्य ने रूचि बनी रहे।
- अध्ययन से यह पाया की कार्यक्षेत्र में महिलापुलिसकर्मी का महिलाओं के प्रति व्यवहार अच्छा देखने को मिलता है तथा कुछ स्थितियों में महिलाएँ महिला पुलिस से ज्यादा महसूस करती है।
- अधिकांश महिलायें मानती है कि उनके साथी पुलिसकर्मी का व्यवहार सहयोगात्मक एवं भेदभाव रहित है।

सन्दर्भ ग्रन्थ

1 Promit Kapur, Changing Status of Working Women in India 1974
2 Kiran Vadhera- New Brand Winner 1976
3 Kala Rani "Role confict in working women 1976
4 S. Aleem Women in Policing
5 दैनिक जागरण, 1 अक्टूबर, पृ0 **09**
6 हिन्दुस्तान, 29 अक्टूबर 2018, पृ0 **12**
7 हिन्दुस्तान, 03 नवम्बर 2018, पृ0 **22**
8 हिन्दुस्तान, 21 नवम्बर 2018, पृ0 **15**
9 दैनिक जागरण, 8 अक्टूबर 2018